

असाधारस EXTRAORDEMARY

भाग II—चण्ड 3—उप-वण्ड (n)
PART II—Section 3—Sub-Section (fi)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

**e.** 102]

नई बिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 19, 1993/माघ 30, 1914

No. 102]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 19, 1993/MAGHA 30, 1914

इस भाग में भिस्त पृष्ठ संख्या वी बाती है जिससे कि यह असग संकलन के कप में रखा वा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1993

धन-कर

का. था. 115(भ).— केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 23 की उपधारा (र्कि) के खंड (ङ) द्वारा प्रदत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए, मामलों की प्रकृति, अंतर्गस्त जटिलताओं और श्रन्य मुसंगत तथ्यों को ध्यान में रखते 436 GI/93

हुए, यह निदेश देता है कि निम्नलिखित श्रादेशों में से किसी के प्रति श्राक्षेप करने वाला व्यक्ति ऐसे निर्धारण या ऐसे श्रादेश के विरुद्ध श्रपील श्रायुक्त (श्रपील) को कर सकेगा —

- (i) निर्धारिती के, जो एक कम्पनी है, विरुद्ध कोई आदेश, जहां निर्धारिती धन-कर अधिनियम के अधीन अवधारित गुद्ध धन की रकम के प्रति आक्षेप करता है या उक्त अधिनियम के अधीन उसके द्वारा संदेय के रूप में अवधारित धन-कर की रकम के प्रति आक्षेप करता है या उक्त अधिनियम के अधीन निर्धारित किए जाने के अपने वायित्व से इंकार करता है और उक्त अधिनियम की धारा 16 के अधीन किए गए निर्धारण पर अवधारित गुद्ध धन पन्द्रह लाख रुपए से अधिक नहीं है।
- (ii) किसी ऐसे निर्धारिती के मामले में, जो एक कंपनी हैं (उक्त श्रधिनियम की धारा 23 की उपधारा (र्कि) के खंड (ख), खंड (ग) और खंड (घ) में उल्लिखित श्रावेशों से भिन्न) उक्त श्रधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) के खंड (घ) और खंड (घ) में खंड (जक) तक (जिसमें दोनों खंड सम्मिलत हैं) में विनिर्दिष्ट श्रादेश में।

उपर्यक्त प्रधिमूचना तारीख 19-2-1993 से प्रभावी होगी।

[फा. स. 328 102/92-डब्ल्यृ टी.], एम.के. गुप्त, श्रवर मचिव (धन-कर)

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 1993

## WEALTH-TAX

- S. O. 115(E).—In exercise of the powers conferred by Clause (e) of Sub-section (IA) of Section 23 of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes, having regard to the nature of the cases, the complexities involved and other relevant considerations, hereby directs that any person objecting to any of the following orders may appeal to the Commissioner (Appeals) against such assessment of such order:—
  - (1) An order against the assessee, being a company, where the assessee objects to the amount of net Wealth determined under the Wealth-Tax Act or objects to the amount of Wealth-Tax determined as payable by it under

the said Act or denies its liability to be assessed under the said Act, and the net Wealth determined on assessment made under section 16 of the said Act does not exceed fifteen lakh rupees.

(ii) An order (other than the orders mentioned in clauses (b), (c) and (d) of Sub-section (IA) of Section 23 of the said Act specified in Clauses (d) and (f) to (ha) (both inclusive) of Sub-section (1) of Section 23 of the said Act in the case of any assessee, being a Company.

The above notification shall take effect from 19-2-1993.

[F. No. 328/102/92-WT]

S. K. GUPTA, Under Socy, (WT)